SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 भारत का सख्त रुख देखकर घबराया...
3 डीएम ने जनता दरबार में सुनी लोगों की फरियाद
4 मनीषा बेटी के नाम पर राजनीति बंद करे विपक्ष...

वर्ष: 9 | अंक: 299 | दिल्ली, शनिवार, 23 अगस्त 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन गेमिंग पर सरकार का 'बड़ा वार', राष्ट्रपति की मुहर से बना कानून

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी, जिसे इसी सप्ताह संसद ने पारित किया था। यह विधेयक ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स को प्रोत्साहित करने के लिए लाया गया था, साथ ही हानिकारक ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं, विज्ञापनों और उनसे संबंधित वित्तीय लेनदेन पर भी प्रतिबंध लगाता है। यह विधेयक ऑनलाइन मनी गेम्स की पेशकश, संचालन या सुविधा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का प्रयास करता है, चाहे वे कौशल, संयोग या दोनों पर आधारित हों। यह विधेयक बुधवार को लोकसभा में और एक दिन बाद राज्यसभा में पारित हुआ। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक का उद्देश्य ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेम्स को बढ़ावा देना है, साथ ही ऑनलाइन मनी गेमिंग को गैरकानूनी घोषित करना है। सूत्रों ने पहले बताया था कि ऑनलाइन मनी गेम खेलने वालों को कोई सजा नहीं होगी; केवल सेवा प्रदाताओं, विज्ञापनदाताओं, प्रमोटरों और ऐसे खेलों का आर्थिक रूप से समर्थन करने वालों को ही परिणाम भुगतने होंगे।

गगनयान मिशन की टीम ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेन्सी)। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्लाने शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति मुर्मू ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से लौटने वाले पहले भारतीय बनने पर शुभांशु शुक्ला को अपनी शुभकामनाएँ दीं। ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर और ग्रुप कैप्टन पुण्यश्लोक बिस्वाल के साथ-साथ इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन और मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र के निदेशक दिनेश कुमार सिंह भी उपस्थित थे। राष्ट्रपति ने पूरी टीम को भविष्य के प्रयासों, विशेषकर गगनयान मिशन के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में अपने अनुभव साझा किए। इससे पहले, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इस अनुभव और मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की महत्वाकांक्षाओं के लिए इसके महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी साझा की, और अंतरिक्ष में रहने से प्राप्त अमूल्य ज्ञान पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कोलकाता में तीन नये मेट्रो रेल मार्गों को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कोलकाता में तीन नए मेट्रो रेल मार्गों का उद्घाटन किया, जिनमें यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए सीधी सेवा भी शामिल है। प्रधानमंत्री के साथ पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार भी थे। ग्रीन, येलो और ऑरेंज लाइनों में फैला 13.61 किलोमीटर लंबा नेटवर्क, शहर की मेट्रो यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि का प्रतीक है, जिसकी शुरूआत 1984 में हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि नए खंडों से कोलकाता की सड़कों पर भीड़भाड़ कम होने और लाखों लोगों के दैनिक आवागमन में बदलाव आने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि सियालदह और एस्प्लेनेड (2.45 किलोमीटर) के बीच ग्रीन लाइन का विस्तार, महानगर के दो सबसे व्यस्त रेलवे टर्मिनलों, हावड़ा और सियालदह के बीच पहला निर्बाध मेट्रो संपर्क प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिमरिया सिक्स लेन केवल ब्रिज का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने गमछा लहराकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया

संजना भारती ब्यूरो

बेगूसराय। शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एशिया के सबसे बड़े एवं पहले औंटा-सिमरिया सिक्स लेन पुल का लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री मोदी हेलीपैड से सड़क मार्ग द्वारा औंटा-सिमरिया सिक्स लेन पुल तक पहुँचे और पुल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री को देखने के लिए भारी संख्या में जनसमूह उपस्थित था। प्रधानमंत्री के स्वागत में सिमरिया धाम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराकर उपस्थित जनता का अभिवादन स्वीकार किया। प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक एवं पुख़्ता प्रबंध किए गए थे। विभिन्न स्थानों पर बैरिकेटिंग की गई तथा मजिस्ट्रेटों के साथ पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की गई थी।

जिला प्रशासन द्वारा उद्घाटन स्थल पर शंख ध्वनि एवं मंत्रोचारण, सिमरिया धाम घाट-बिहार गीत, झिझिया, कमला गीत, ढाक, मानर, मोर मयूर नृत्य की प्रस्तुति की गई थी। साथ ही सिमरिया धाम कल्पवास क्षेत्र में छठ गीत, झिझिया, गोलंबर त्रिमुहानी-सात शहीद, छठ एवं सीताराम विवाह झांकी गीत की प्रस्तुति की गई थी। औंटा-सिमरिया पुल लोकार्पण के पश्चात जिला पदाधिकारी, बेगूसराय तुषार सिंगला ने पत्रकारों को संबोधित किया। साथ ही कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए सभी प्रशासनिक पदाधिकारियों तथा आमजन का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम समाप्ति के उपरांत जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को लोगो को क्रमबद्ध तरीके से अपने गंतव्य की ओर भेजने का निर्देश दिया, ताकि लोगों को जाम की स्थिति का सामना नहीं करना पड़े।

'दिल्ली के गांवों व यमुनापार में विकास योजनाएं अब होंगी तेज'

चेयरमैन चौहान व लवली विकसित दिल्ली के संकल्प को आगे बढ़ाएंगे: सीएम रेखा गुप्ता

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी है कि दिल्ली के सैंकड़ों गांवों के अलावा पूरे यमुनापार में विकास कार्यों को तेज करने की दिशा में बनाए गए दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड व यमुनापार विकास बोर्ड को आधिकारिक रूप से और सशक्त कर दिया गया है। इन दोनों इनकी कार्यप्रणाली को तेज करने की दिशा में क्षेत्र के विधायकों को इस बोर्ड में जोड़ा गया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को बोर्ड में रखा गया है, ताकि इन बोर्ड की कार्यप्रणाली सुचारू रूप से चलती रहे। बोर्ड चेयरमैनों को दिल्ली सरकार के केबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार इस मसले को लेकर एक आदेश जारी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड का चेयरमैन श्री राजकुमार चौहान को बनाया गया है। वह मंगोलपुरी से विधायक हैं। यमुनापार विकास बोर्ड का चेयरमैन श्री अरविंदर सिंह लवली को बनाया गया है, जो गांधी नगर विधानसभा के विधायक हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि दोनों विधायक पहले भी दिल्ली सरकार में मंत्री पद पर रह चुके हैं और उन्हें शासन करने का लंबा अनुभव है। इन दोनों चेयरमैनों को दिल्ली सरकार के केबिनेट मंत्री के समकक्ष दर्जा दिया गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अनुसार यमुनापार विकास बोर्ड में सदस्यों के रूप में क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट, अभय वर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, जितेंद्र महाजन, अजय महावर, गोपाल राय, सुरेंद्र कुमार, कुलदीप कुमार, अनिल गोयल, संजय गोयल, रविकांत, रविंद्र सिंह नेगी, चौधरी जुबेर अहमद को शामिल किया गया है। विशेष आमंत्रित में सांसद श्री हर्ष मल्होत्रा, श्री मनोज तिवारी व दिल्ली सरकार के मंत्री श्री कपिल मिश्रा को शामिल किया गया है। बोर्ड में विकास आयुक्त के अलावा वित्त व योजना, पीडब्ल्यूडी, राजस्व, डीडीए, जल बोर्ड, ड्यूसिब, निगम व अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री के अनुसार इसी तरह दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड को सशक्त बनाने के लिए यही प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

बाणेश्वर महादेव संगीतोत्सव का हुआ शुभारंभ

विधायक रमेश जायसवाल ने किया संगीतोत्सव का उद्घाटन

समारोह का उद्घाटन करते हुए विधायक रमेश जायसवाल और अन्य। (छाया: एसबी)

एसबी संवाददाता

वाराणसी। 21 अगस्त से 29 अगस्त तक चलने बाणेश्वर महादेव बड़ागणेश मैदागिन के वार्षिकोत्सव का उद्घाटन मुगलसराय विधायक रमेश जायसवाल ने किया। कार्यक्रम के प्रथम निशा में डॉ विजय कपूर, अनन्या मिश्रा, सन्नी मिश्रा, अजय दुबे, विजय चौहान, पुनीत सिंह सरगम, पूजा मोदनवाल, मीरा मधुर, ज्योति जगमग, कुसुम पांडेय, सभी कलाकारों के भजनों पर पूरी रात झूमे श्रोता।

कलाकारों का स्वागत एवं सम्मान मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अजय सिंह, उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह, मंत्री आलोक नादान, महामंत्री गोपी यादव, कोषाध्यक्ष सूचित सिंह ने किया।

कार्यक्रमों का संयोजन एवं संचालन मंदिर कमेटी के सांस्कृतिक मंत्री गायक राकेश चौबे 'संगम' ने किया।

राम सीता विवाह मैथिली संस्कार गीत का राजभवन में हुआ भव्य मंचन

सुष्मिता झा ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों का जीता दिल

एसबी संवाददाता

लखनऊ। राजभवन, उत्तर प्रदेश में विगत स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को एक भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें प्रख्यात हिंदी शास्त्रीय एवं मैथिली लोकगायिका डॉ. सुष्मिता झा ने नाद तरंग ट्रस्ट के तत्वाधान में रामझसीता विवाह संस्कार गीतों पर आधारित एक मनोहारी "गीति-नृत्य नाटिका" प्रस्तुत की।

समारोह की मुख्य अतिथि थीं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

इस प्रस्तुति में राजभवन के परिसर में स्थित विद्यालय के लगभग 40 बच्चों को एक 15 दिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षण देकर, डॉ सुष्मिता झा के साथ, साथी कलाकार जैसे नृत्यांगना सुनयना शर्मा, आर्यव आनंद तथा वादन कलाकार बलराम, शशि झा, ललित, दीपक जी योगेश जी भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

इनके इस प्रस्तुति में स्वयंवर गीत, परीछन गीत, कन्यादान गीत, सिंदूरदान गीत, कोहबर गीत तथा समदौन गीत जैसे पारंपरिक मैथिली संस्कार गीतों का गायन वादन, नृत्य तीनों एक साथ भावपूर्ण शैली में मंचासीन हुए। डॉ. सुष्मिता झा ने लोक परंपरा और शास्त्रीयता का अद्भुत संगम प्रस्तुत करते हुए मिथिला की सांस्कृतिक विरासत तथा रामझसीता विवाह के पावन प्रसंग को जीवंत कर दिया।

इस अवसर पर माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने अपने उद्बोधन में डॉ. सुष्मिता झा को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके इस अनोखे प्रयोग को जिसमें छोटे छोटे बच्चों को भी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ा गया की सराहना की।

सीएम की ओर से पंजाब को देश का औद्योगिक केंद्र बनाने के उद्देश्य से प्रमाणित पेशेवरों को सूचीबद्ध करने के लिए नीति शुरू

ब्रेन ड्रेन से हटकर ब्रेन गेन की ओर कदम बढ़ा रहा है पंजाब

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। यहां प्रमाणित पेशेवरों को सूचीबद्ध करने के लिए नीति शुरू करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने विश्वास जताया कि यह पहल राज्य को देश में अग्रणी औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। नीति की औपचारिक शुरूआत के बाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीति औद्योगिक विकास को बड़ा बढ़ावा देगी और राज्य की प्रगति की गति को और तेज करेगी, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

नीति की शुरूआत को ऐतिहासिक पहल बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए उद्योगों के लिए रेगुलेटरी मंजूरी की प्रक्रिया को और सुगम बनाना है। खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, ऑटो कंपोनेंट, हैंड टूल, साइकिल निर्माण, आईटी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में पंजाब की औद्योगिक प्रगति को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब विश्व भर में निवेशकों के लिए पसंदीदा स्थान के रूप में उभर रहा है। भगवंत सिंह मान ने सुशासन, पारदर्शी नियमावली और कारोबार में आसानी के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने के संबंध में पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने पंजाब राइट टू बिजनेस एक्ट के तहत 45 दिनों के भीतर समयबद्ध मंजूरी और केवल तीन दिनों में सैद्धांतिक मंजूरी जैसे प्रमुख सुधार पेश किए हैं, जो अपने आप में एक बड़ा मील का पत्थर है। उन्होंने बताया कि नई नीति प्रमाणित पेशेवरों द्वारा तृतीय-पक्ष प्रमाणीकरण के लिए एक संरचित और पारदर्शी प्रणाली पेश करती है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन पेशेवरों में मुख्य रूप से राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, प्रदूषण नियंत्रण कमेटियों या राज्य पर्यावरण विभागों से सेवानिवृत्त पर्यावरण इंजीनियर और आवश्यक इंजीनियरिंग योग्यता वाले सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि ये प्रमाणित पेशेवर उद्योगों, विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्रों में व्हाइट, ग्रीन और ऑरेंज श्रेणी के तहत आने वाले उद्योगों को नियामक मंजूरी जैसे स्थापना के लिए सहमति/एनओसी, संचालन के लिए सहमति और पर्यावरण कानूनों के तहत अनुपालन की निगरानी आदि के लिए सुविधाएं प्रदान करेंगे। इस बात पर जोर देते हुए कि यह देश में अपनी तरह की पहली नीति है, उन्होंने कहा कि यह पर्यावरण संरक्षण को बनाए रखते हुए औद्योगिक मंजूरी की प्रक्रिया को तेज करेगी। भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि यह पहल न केवल उद्योगों के लिए अनुपालन के बोझ को कम करेगी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करते हुए स्वच्छ हवा-पानी, टिकाऊ विकास और युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर भी सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने उद्योगों, पेशेवरों और पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) से आगामी समय में पंजाब को तैयार, वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ राज्य बनाने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नए पर्यावरण विशेषज्ञों को सूचीबद्ध करके विभिन्न बाधाओं को दूर कर रही है और प्रमाणित पेशेवरों को औद्योगिक प्रस्तावों को मंजूरी देने का अधिकार प्रदान करके नोटरी की तरह अधिक सशक्त बना रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि उनकी विशेषज्ञता उद्योग को अधिक लाभ पहुंचाएगी, सरकारी कार्यों में पारदर्शिता लाएगी और औद्योगीकरण की गति को और तेज करेगी। इसे उद्यमियों के लिए ऐतिहासिक दिन बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब परंपरागत रूप से एक कृषि प्रधान राज्य है और इसके साथ ही उनकी सरकार युवाओं के लिए रोजगार के भरपूर अवसर पैदा करने के लिए औद्योगिक विकास को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि पंजाब सरकार के ठोस प्रयासों के कारण ब्रेन ड्रेन के रुझान को उलट दिया गया है और पंजाब में अब "ब्रेन गेन" का युग शुरू हो गया है। भगवंत सिंह मान ने उद्यमियों को इस नेक पहल का समर्थन करने का आह्वान किया और पेशेवरों से इस अनूठे प्रयास में पूरे दिल से योगदान देने की अपील की।

इस अवसर पर विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण सचिव प्रियांक भारती, पीपीसीबी की चेयरपर्सन रीना गुप्ता और अन्य उपस्थित थे।

दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव सिनेमा का ऐतिहासिक उत्सव होगा: कपिल मिश्रा

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली में पहली बार आयोजित होने वाले दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा की। यह महोत्सव सिनेमा के उत्सव के रूप में 2026 की शुरूआत में आयोजित किया जाएगा।

बैठक के दौरान राजधानी दिल्ली के विभिन्न भव्य स्थलों पर इस आयोजन की संभावनाओं की समीक्षा की गई। महोत्सव के लिए प्रमुख सांस्कृतिक केंद्रों और आधुनिक सिनेमाघरों को संभावित स्थलों के रूप में चुना गया है, ताकि दिल्ली की विविधता और ऐतिहासिक धरोहर को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जा सके।

इस अवसर पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय फिल्मों का प्रदर्शन दिल्ली के अलग-अलग स्थानों एवं सिनेमाघरों में किया जाएगा। महोत्सव के दौरान न केवल नई फिल्मों और ओटीटी सीरीज का प्रीमियर होगा बल्कि क्लासिक और आर्काइव फिल्मों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इससे नई और पुरानी पीढ़ी दोनों को एक साथ जोड़ने का अवसर मिलेगा।

महोत्सव में अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय फिल्म हस्तियों, निर्देशकों, निमार्ताओं, कलाकारों और तकनीकी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा। उनके साथ विशेष संवाद सत्र, चर्चा मंच और अनुभव साझा करने के कार्यक्रम होंगे।

कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने इस अवसर पर यह भी सुझाव दिया कि इस आयोजन में एक पार्टनर कंट्री को भी जोड़ा जाए, जिसकी फि ल्मों का प्रदर्शन विशेष रूप से किया जा सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली के स्कूल, कॉलेज और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े संस्थानों की भागीदारी बड़े पैमाने पर सुनिश्चित की जाएगी, ताकि नई प्रतिभाओं को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिल सके।

सम्पादकीय

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में सरकार और विपक्ष आमने-सामने

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में अब सरकार और विपक्ष के प्रत्याशियों के मध्य मुकाबला होना तय हो गया है। सरकार द्वारा सीपी राधाकृष्णन को प्रत्याशी बनाए जाने के बाद इंडी ब्लाक ने भी सुप्रीम कोर्ट के सेवा निवृत्त न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इस बार उपराष्ट्रपति के पद के दोनों ही प्रत्याशी एक ही प्रान्त तमिलनाडु से आते हैं। कांग्रेस व विरोधी दलों को लगा कि अगर एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन देश के नये उपराष्ट्रपति बन जाते हैं तो फिर भारतीय जनता पार्टी राधाकृष्णन के माध्यम से दक्षिण विशेषकर तमिलनाडु में अपनी राजनीतिक जमीन को सशक्त करने का प्रयास करेगी क्योंकि जब बीजेपी ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अपना प्रत्याशी बनाया था तब भाजपा को राजस्थान में राजनैतिक लाभ हुआ था और वहां उसकी सत्ता में वापसी हो गई थी। अब भाजपा ने सीपी राधाकृष्णन को अपना प्रत्याशी बनाकर तमिलनाडु की जनता व कार्यकताओं को यही संदेश दिया है। कौन है सीपी राधाकृष्णन-संसद के दोनों सदनों के वर्तमान अंकगणित के अनुसार एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन का विजयी होना सुनिश्चित है। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं तथा दो बार कोयंबटूर से लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं। सीपी राधाकृष्णन मात्र 16 वर्ष की अवस्था में ही 1974 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर समाज सेवा के कार्यों में लग गए और बाद में उनके राजनैतिक जीवन का आरम्भ हुआ। सीपी राधाकृष्णन कुछ समय तक झारखंड के भी राज्यपाल रहे, वह झारखण्ड राज्य के सभी जिलों का दौरा करने वाले राज्यपाल हैं। सीपी राधकृष्णन तेलंगना के राज्यपाल व पुडडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल चुके हैं। सी पी राधाकृष्णन तमिलनाडु की राजनीति में 40 वर्ष तक सक्रिय रहे जिसका प्रतिफल अब उन्हें उपराष्ट्रपति पद के रूप में मिलने जा रहा है। वह 1996 में भाजपा तमिलनाडु के सचिव नियुक्त हुए। 2004 में संयुक्तराष्ट्र महासभा में संसदीय प्रतिनिधमंडल के हिस्से के रूप में भाषण दिया और ताइवान की पहली संसदीय यात्रा में शामिल हुए। वह 2020 से 2022 तक केरल बीजेपी प्रभारी भी रहे। सीपी राधाकृष्णन एक बहुत अनुभवी तथा जमीनी कार्यकर्ता हैं जिन्हें इतना बड़ा उत्तरदायित्व प्राप्त हो रहा है। सीपी राधाकृष्णन ने तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष रहते हुए सभी भारतीय नदियों को जोड़ने, आतंकवाद को मिटाने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और नषे के खतरे से निपटने जैसी मांगो को लेकर 93 दिनों में 19 हजार किमी लंबी रथयात्रा निकाली थी। माना जा रहा है कि भाजपा ने इस बार वैचारिक पृष्ठभूमि के नेता को प्राथमिकता दी है जिसका लाभ उसे दक्षिण की आगामी राजनीति में मिल सकता है। चुनावी राजनीति की दृष्टि से देखा जाए तो सीपी राधाकृष्णन के ओबीसी समाज से होने का लाभ भी बीजेपी को दक्षिण राज्यों के चुनावों में मिल सकता है। भाजपा अब कांग्रेस तथा विपक्ष के खिलाफ इस बात का माहौल भी बनाने का प्रयास करेगी कि विपक्ष ने ओबीसी समाज के प्रत्याशी को उपराष्ट्रपति बनने से रोकने का प्रयास किया यद्यपि बीजेपी प्रत्याशी का जीतना तय है क्योकि उपराष्ट्रपति का चुनाव जीतने के लिए 392 वोट चाहिए जबकि एनडीए के पास 422 वोट हैं। उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी चयन करते समय भी कांग्रेस व विपक्ष की दोहरी मानसिकता बेनकाब हो गई है क्योकि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रामजन्मभूमि मंदिर का फैसला सुनाने वाले एक जज को राज्यसभा में भेजा था और एक को राज्यपाल बनाया था तब विपक्ष ने रिटायर्ड हो चुके जजों की नियुक्तियों का विरोध किया था और अब स्वयं ही एक रिटायर्ड जज को प्रत्याशी बना रही है।

जयंती

टी. प्रकाशम

जन्म: 23 अगस्त, 1872; मृत्यु: 20 मई, 1957) प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और आंध्र राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री थे। उनका जन्म 23 अगस्त, 1872 ई. में गुन्टूर ज़िले के कनपर्ती नामक गाँव में हुआ था। टी. प्रकाशम का पूरा नाम 'टंगटूरी प्रकाशम' था। अल्पायु में ही उनके पिता का देहान्त हो गया था। उन्होंने पहले मद्रास और फिर इंग्लैण्ड से बैरिस्टर की पढ़ाई की थी। इंग्लैण्ड में दो मुकदमों की पैरवी भी उन्होंने की थी, और इसी समय महात्मा गाँधी से उनका प्रथम बार साक्षात्कार हुआ। देश में व्याप्त गरीबी को टी. प्रकाशम ने काफी करीब से देखा था, इसीलिए गाँधी जी के प्रथम आन्दोलन के समय उन्होंने अपनी लाखों रुपये की बैरिस्टरी का त्याग कर दिया।

पुण्यतिथि

कुलदीप नैयर

जन्म: 14 अगस्त 1924; मृत्यु-23 अगस्त, 2018, दिल्ली) भारत के प्रसिद्ध लेखक एवं पत्रकार थे। भारत सरकार के प्रेस सूचना अधिकारी के पद पर कई वर्षों तक कार्य करने के बाद वे यू. एन. आई, पी. आई. बी. 'द स्टैट्समैन' 'इण्डियन एक्सप्रेस' के साथ लम्बे समय तक जुड़े रहे। कुलदीप नैयर 25 वर्षों तक 'द टाइम्स' लन्दन के संवाददाता भी रहे।

कल मिलेंगे

टीचर: 'कल स्कूल से छुट्टी क्यों नहीं ली?'
स्टूडेंट: 'क्यों मैडम, आपने ही तो कहा था, 'कल करे सो आज कर', तो मैंने कल का काम आज किया।'

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

भारत का सख्त रुख देखकर घबराया अमेरिका, ट्रंप प्रशासन बोला-यूक्रेन में शांति का रास्ता दिल्ली से होकर जाता है

-नीरज कुमार दुबे

अमेरिकी टिप्पणीकारों ने इस तर्क को चुनौतियों से भरा बताया। उन्होंने याद दिलाया कि चीन भारत से कहीं अधिक रूसी तेल खरीदता है और यूरोपीय संघ भी रूस से ऊर्जा आयात करता रहा है। सवाल यह भी है कि अतीत में खुद अमेरिका ने ही भारत को वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर रखने के लिए रूस से तेल लेने की सलाह दी थी

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत की ऊर्जा नीति एक बार फिर अमेरिकी राजनीतिक बहस और दबाव का केंद्र बन गई है। ट्रंप प्रशासन ने भारत पर दोहरे आरोप लगाए हैं-एक ओर रूसी तेल खरीदकर युद्ध को लंबा खींचने का आरोप और दूसरी ओर मुनाफाखोरी की मानसिकता से वैश्विक शांति को नुकसान पहुँचाने का दावा। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अमेरिकी तर्कों को न केवल खारिज किया बल्कि भारत की बढ़ी हुई अमेरिकी तेल खरीद का हवाला देते हुए इसे "विरोधाभासी और असंगत" बताया।

हम आपको बता दें कि व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने पत्रकारों से कहा है कि राष्ट्रपति ट्रंप भारत पर अतिरिक्त 25% शुल्क जारी रखेंगे। उनका आरोप था कि भारत रूसी तेल खरीदकर उसे रिफाइन कर लाभ कमाता है और वही पैसा रूस हथियार बनाने में खर्च करता है, जिससे यूक्रेन पर हमले तेज होते हैं। नवारो ने यहां तक कहा कि भारत की भूमिका शांति बनाने की नहीं बल्कि युद्ध को आगे बढ़ाने की है। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा, "भारत पर 25% टैरिफ इसलिए लगाए गए क्योंकि वे व्यापार में हमारे साथ धोखा करते हैं। फिर 25% रूसी तेल के कारण लगाये गये।" उन्होंने कहा, "कई मायनों में, शांति का रास्ता नई दिल्ली से होकर गुजरता है।"

हालांकि अमेरिकी टिप्पणीकारों ने इस तर्क को चुनौतियों से भरा बताया। उन्होंने याद दिलाया कि चीन भारत से कहीं अधिक रूसी तेल खरीदता है और यूरोपीय संघ भी रूस से ऊर्जा आयात करता रहा है। सवाल यह भी है कि अतीत में खुद अमेरिका ने ही भारत को वैश्विक ऊर्जा बाजार स्थिर रखने के लिए रूस से तेल लेने की सलाह दी थी।

वहीं मास्को में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने साफ कहा, भारत न तो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, न ही सबसे बड़ा गैस आयातक। यह भूमिका चीन और यूरोपीय संघ निभा रहे हैं। उन्होंने जोड़ा कि भारत ने हाल के वर्षों में अमेरिका से तेल आयात भी बढ़ाया है, इसलिए अमेरिकी आरोप तर्कसंगत नहीं हैं। जयशंकर ने यह भी दोहराया कि भारत का दृष्टिकोण बाजार की परिस्थितियों और ऊर्जा सुरक्षा पर आधारित है, न कि किसी राजनीतिक एजेंडे पर। इसके अलावा, जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान भारत और रूस ने अपने संबंधों को पुनः रेखांकित किया। दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को संतुलित और टिकाऊ बनाने की प्रतिबद्धता जताई। साथ ही कृषि, फार्मा और वस्त्र जैसे क्षेत्रों में भारतीय निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया गया। इसके अलावा, गैर-शुल्क बाधाओं और नियामकीय अवरोधों को हटाने पर सहमति बनी। साथ ही, जयशंकर ने रूस में भर्ती हुए भारतीय युवाओं का मुद्दा भी उठाया और लंबित मामलों को शीघ्र सुलझाने की अपेक्षा जताई।

हम आपको बता दें कि यूक्रेन पर भारत का रुख पहले की तरह ही संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने वाला रहा है। भारत न तो रूस की आक्रामकता को सीधे समर्थन देता है, न ही पश्चिमी दबाव में अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं से समझौता करता है। यह संतुलन साधना कठिन है, लेकिन यही भारत की रणनीतिक स्वायत्तता की मूलधारा है।

बहरहाल, ट्रंप प्रशासन की आलोचनाओं से स्पष्ट है कि आने वाले महीनों में भारत-अमेरिका संबंधों में ऊर्जा नीति एक तनावपूर्ण मुद्दा बना रहेगा। परंतु जयशंकर का पलटवार यह संदेश देता है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों और वैश्विक ऊर्जा स्थिरता दोनों पर समान रूप से ध्यान देगा। यह स्थिति एक बार फिर यह साबित करती है कि भारत अब केवल वैश्विक समीकरणों का हिस्सा भर नहीं है, बल्कि उन समीकरणों को आकार देने वाली शक्ति के रूप में उभर रहा है। साथ ही, शांति का रास्ता नयी दिल्ली से होकर जाता है वाले अमेरिकी बयान को देखें तो इसके पीछे यह समझ छिपी है कि मौजूदा हालात में भारत ही वह शक्ति है जो रूस और यूक्रेन दोनों से संवाद कर सकती है। हम आपको बता दें कि रक्षा, ऊर्जा और कूटनीतिक साझेदारी में भारत और रूस दशकों से घनिष्ठ सहयोगी रहे हैं। पुतिन और मोदी के बीच नियमित वार्ता होती रहती है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की से कई बार बात की है और अंतरराष्ट्रीय मंचों (G7, G20) पर यूक्रेन की संवेदनाओं को भी उठाया है। साथ ही भारत अमेरिका और यूरोप दोनों का करीबी रणनीतिक साझेदार है, परंतु पूरी तरह उनके खेमे में नहीं है। यही विश्वसनीय मध्यस्थ की छवि बनाता है।

विकराल होते आनलाइन गेम पर नियंत्रण का कानून सराहनीय

-ललित गर्ग

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बबार्दी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा-सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन-देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है।

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बबार्दी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी है, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है।

सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।

भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के विज्ञापन और प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पदार्फाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बबार्दी में अंधेरों में जाने से बचाये। खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून-पसीने की कमाई या माता-पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं। यह समस्या अब जुए की लत से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है, क्योंकि इसमें तकनीक की चकाचौंध और आसानी से उपलब्धता ने युवाओं को पहले से ज्यादा असुरक्षित बना दिया है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ऑनलाइन गेमिंग का बाजार बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैला है। विज्ञापनों, प्रलोभनों और चमकदार ऑफरों ने युवाओं को अपने शिकंजे में इस तरह जकड़ लिया है कि लाखों लोग इसमें डूबकर अपनी शिक्षा, करियर और परिवार तक को दांव पर लगा बैठे हैं। जब खेल केवल मनोरंजन तक सीमित रहता है तब तक उसकी उपयोगिता है, पर जैसे ही इसमें धन और लालच का तत्त्व जुड़ता है, यह जुए में बदल जाता है। और यही वह बिंदु है जहां से विनाश की शुरूआत होती है। सच्चाई यह है कि ऑनलाइन गेमिंग का जाल इतना व्यापक हो चुका है कि इसे रोकने के लिए कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक हस्तक्षेप भी उतने ही जरूरी हैं। ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी जरूरत है। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुमार्ना भी लगाना एवं बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी होते हुए दिखनी चाहिए, तभी यह कानून कारगर एवं प्रभावी बन पायेगा।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

नहीं रुकेगी जंग, रूस ने अमेरिकी कंपनियों पर दागी मिसाइल, ट्रंप ने शुरू किया एक्शन

(एजेन्सी)।

अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात होती है। ठीक उसके बाद वाशिंगटन में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से ट्रंप की मुलाकात। ऐसा लगा कि बहुत जल्द रूस और यूक्रेन के बीच की जंग रुक जाएगी। लेकिन अब जो खबर सामने आ रही है। वो पूरी दुनिया के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं है। रूस ने यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से में एक बड़ा हवाई हमला किया है। इस हमले में एक अमेरिकन इलेक्ट्रॉनिक की कंपनी को निशाना बनाया गया। जिसमें करीब 600 कर्मचारी काम कर रहे थे। 21 अगस्त की रात रूस ने यूक्रेन पर अपने इस सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया। यूक्रेन की वायु सेना ने कहा कि रूस ने इस साल यूक्रेन पर अपना सबसे बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें 574 ड्रोन और 40 मिसाइलें दागी गईं। उसने बताया कि हमले ज्यादातर देश के पश्चिमी इलाकों को निशाना बनाकर किए गए।

अधिकारियों के अनुसार, इन हमलों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रेई सिबिहा ने कहा कि रूस ने पश्चिमी यूक्रेन में एक प्रमुख अमेरिकी इलेक्ट्रॉनिक्स निमार्ता पर हमला किया। उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी। यूक्रेन के पश्चिमी हिस्से, देश के पूर्व और दक्षिण में युद्धक्षेत्र की अग्रिम पंक्ति से दूर हैं। माना जाता है कि यूक्रेन के पश्चिमी सहयोगियों द्वारा प्रदान की गई अधिकांश सैन्य सहायता वहीं पहुंचाई और संग्रहीत की जाती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, दागे गए ड्रोन की संख्या के लिहाज से यह रूस का इस साल का तीसरा सबसे बड़ा हवाई हमला था और मिसाइलों के लिहाज से आठवां सबसे बड़ा हवाई हमला था। यूक्रेन पर रूस के हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। एक तरफ जहां शांति वार्ता की संभावनाएं बन रही थी। दोनों देशों के बीच संवाद की उम्मीद की जा रही थी। ऐसे में रूस की ओर से हुए हमले के बाद से शांति वार्ता की सारी संभावनाएँ बिखड़ती नजर आ रही हैं।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह ऐसे अंजाम दिया गया मानो बिल्कुल भी कुछ बदल ही नहीं रहा हो। उन्होंने कहा कि मास्को ने युद्ध समाप्त करने के लिए सार्थक वार्ता की कोई इच्छा नहीं दिखाई है। उन्होंने इस हमले की प्रतिक्रिया में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से कड़ा दबाव बनाने का आग्रह किया, जिसमें सख्त प्रतिबंध और शुल्क (टैरिफ) लगाना शामिल हैं।

आरबीआई के निदेशक मंडल ने वैश्विक, घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की

(एजेन्सी)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल ने शुक्रवार को भू-राजनीतिक स्थिति और वित्तीय बाजार की चुनौतियों समेत वैश्विक एवं घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में यहां केंद्रीय निदेशक मंडल की 618वीं बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में आरबीआई के कुछ केंद्रीय कार्यालय विभागों और निदेशक मंडल की समितियों एवं लोकपाल योजना के कामकाज की भी समीक्षा की गई। आरबीआई ने कहा, निदेशक मंडल ने कार्यकारी निदेशक इंद्रनील भट्टाचार्य को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का पदेन सदस्य नामित करने को मंजूरी दी। बैठक में डिप्टी गवर्नर एम. राजेश्वर राव, टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे और पूनम गुप्ता ने शिरकत की। निदेशक मंडल में शामिल अन्य निदेशक एम नागराजू (सचिव, वित्तीय सेवाएं विभाग), अनुराधा ठाकुर (सचिव, आर्थिक मामलों का विभाग), सतीश के. मराठे, रेवती अय्यर, सचिन चतुर्वेदी, आनंद गोपाल महिंद्रा, पंकज रमणभाई पटेल और रविंद्र एच. ढोलकिया भी इस बैठक में मौजूद रहे।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे गिरफ्तार, सरकारी धन के दुरुपयोग का है मामला

(एजेन्सी)।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को कोलंबो में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) में चल रही जांच के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया।

समाचार एजेंसी एएफपी ने एक वरिष्ठ पुलिस जासूस के हवाले से बताया कि श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को कथित तौर पर सरकारी धन का दुरुपयोग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारी ने बताया कि विक्रमसिंघे को सितंबर 2023 में एक ब्रिटिश विश्वविद्यालय में अपनी पत्नी के लिए आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए लंदन की यात्रा के बारे में पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया। उस समय वह राष्ट्राध्यक्ष थे। जाँचकर्ताओं का दावा है कि लंदन यात्रा, जिसे एक व्यापक विदेश दौरे में शामिल किया गया था, में कोई आधिकारिक कार्यक्रम शामिल नहीं थे, बल्कि इसका वित्तपोषण सरकारी धन से किया गया था। इस महीने की शुरूआत में, विक्रमसिंघे के पूर्व राष्ट्रपति सचिव समन एकनायके और पूर्व निजी सचिव सैंड्रा परेरा से इस यात्रा की व्यवस्था में उनकी भूमिका के बारे में पूछताछ की गई थी। कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में बी-रिपोर्ट के माध्यम से पुलिस द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों के अनुसार, जाँच विक्रमसिंघे द्वारा कथित तौर पर वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय में अपनी पत्नी के पीएचडी स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए की गई यात्रा से संबंधित है। यह कार्यक्रम 22 और 23 सितंबर, 2023 को होने की सूचना है।

इंग्लैंड ने किया अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान

(एजेन्सी)।

आगामी महिला वनडे वर्ल्ड 2025 के लिए इंग्लैंड ने अपनी 15 सदस्यीय महिला टीम का ऐलान कर दिया है। जहां पूर्व कप्तान हीथर नाइट को स्क्वॉड में जगह मिली है। वहीं टीम में साराह ग्लेन और डेनी व्याट-हॉज की भी वापसी हुई है।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार नाइट को टीम में शामिल किया गया है लेकिन उनकी चोट से उबरने की प्रक्रिया जारी है और उन्हें 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट होने की उम्मीद है। साथ ही टीम में शामिल चार अनुभवी स्पिनरों में से ग्लेन एक हैं। वह उन छह खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें पहली बार विश्व कप टीम में जगह मिली है। इसके अलावा यह कप्तान के रूप में नैट स्किवर-ब्रंट का पहला आईसीसी टूर्नामेंट है।

बता दें कि, दुनिया की नंबर एक वनडे बल्लेबाज स्किवर-ब्रंट को अप्रैल में सभी प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया गया था। व्याट-हॉज की भी टीम में वापसी हुई है। वह इंग्लैंड की ओर से पिछली बार 50 ओवर के प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में हार के दौरान खेली थी। केट क्रॉस, माइया बूचियर और एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स को टीम में जगह नहीं मिली है।

यह टूर्नामेंट नई कप्तान स्किवर-ब्रंट और मुख्य कोच चार्लोट एडवर्ड्स में मार्गदर्शन में देश का पहला विश्व कप होगा। ऑस्ट्रेलिया ने 2022 के फाइनल में इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता था। एडवर्ड्स ने कहा कि, विश्व कप में अपने देश के लिए खेलना खेल जगत के सबसे बड़े सम्मान में से एक है और मैं टीम में शामिल सभी खिलाड़ियों के लिए बहुत खुश हूं। इंग्लैंड की कोच ने आगे कहा कि, सभी वैश्विक टूर्नामेंटों की तरह यह एक बड़ी चुनौती होगी लेकिन हम भारत में जितना हो सके उतना आगे बढ़ना चाहते हैं और मेरा मानना है कि अगर हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलेंगे तो हम किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं।

इंग्लैंड टीम इस प्रकार है-नैट स्किवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लोट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एकलेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, ऐमा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

द कपिल शो के सेट पर कृष्णा-कीकू में हुई तीखी बहस!

(एजेन्सी)।

द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दो सबसे पसंदीदा कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा, अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग से सालों से दर्शकों का मनोरंजन करते आ रहे हैं। हालाँकि, इस लोकप्रिय कॉमेडी सीरीज के सेट का एक वीडियो अब वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों के बीच तीखी बहस देखने को मिल रही है, जिससे प्रशंसक हैरान हैं। कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक लंबे समय से कपिल के शो की टीम का हिस्सा हैं। वे शो में बड़े भैया (सनी देओल) और छोटे भैया (बॉबी देओल) सहित कई किरदार निभाते हैं और दर्शकों को खूब गुदगुदाते हैं। द ग्रेट इंडियन कपिल शो हँसी और मनोरंजन का प्रतीक है। हालाँकि, द ग्रेट इंडियन कपिल शो के सेट से एक नया वीडियो सामने आया है जिसने नेटिजन्स को काफी हैरान कर दिया है। यह इतना खुशनुमा नहीं है! वीडियो में कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक को लगभग बहस करते हुए देखा जा सकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि शूटिंग का समय बहस का विषय बन गया था। वीडियो में कीकू शारदा निराश होकर कहते हैं, "टाइमपास कर रहा हूं?" जवाब में, कृष्णा अभिषेक परेशान स्वर में कहते हैं, "तो फिर ठीक है आप करलो। आप करलो, भाई कोई समस्या नहीं है। मैं जानता हूं यहां से।" बात यहीं नहीं रुकी।

कीकू ने कृष्णा को जवाब देते हुए कहा, "बात ये है कि मुझे बुलाया है तो मैं अपना खतम कर लोना पहले।" कृष्णा अभिषेक लड़ाई को आगे बढ़ाने के मूड में नहीं दिख रहे थे। वह कीकू शारदा से कहते हैं कि वह उनसे प्यार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं और उनकी आवाज नहीं उठाना चाहते. इस पर कीकू शारदा कहते हैं, "आवाज उठाने की बात नहीं है, आप इसको गलत तरीके से लेके जा रहे हैं।" यह स्पष्ट नहीं है कि कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक के

बीच बहस असली थी या सिर्फ. एक मजाकिया स्टंट। वीडियो में, अन्य क्रू सदस्यों को शांत करने और मामले को संभालने की कोशिश करते देखा जा सकता है। कपिल शर्मा वीडियो में दिखाई नहीं दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई लोगों का मानना है कि यह सिर्फ. प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए एक बनावटी लड़ाई है।

डीएम ने जनता दरबार में सुनी लोगों की फरियाद

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह जमुई। जमुई के जिलाधिकारी नवीन ने समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में जनता दरबार का आयोजन कर फरियादियों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन भी किया और कुछ मामलों को इससे जुड़े विभाग को अग्रसारित कर विधि सम्मत कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया।

जानकारी देते हुए सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी भानु प्रकाश ने बताया कि डीएम के द्वारा प्रत्येक शुक्रवार को समाहरणालय कक्ष में जनता दरबार आयोजित कर आमजनों की समस्याओं को सुना जाता है। जनता दरबार जन शिकायत, भूमि बंटबारे, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज, रैयति भूमि का निबंधन, अनुग्रह भुगतान, खतियान, दखल-कब्जा, जमीन की नापी, इंदिरा आवास योजना, विकलांग पेंशन, विवादित भूमि पर जबरन कार्य, चयन प्रक्रिया, जमाबंदी, सेवांत लाभ, स्वास्थ्य सेवाएं, सामाजिक सुरक्षा से लाभ, अनुज्ञप्ति रद्द, नियुक्ति, राशि-गबन, रास्ता अवरुद्ध, मारपीट, बासगीत पर्चा, पक्की नली-गली, बिजली, आंगनबाड़ी एवं अन्य मामले की सुनवाई की गई। इस दौरान उन्होंने कहा कि तमाम प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए इस पर यथोचित कार्रवाई किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनता को कठिनाइयों से उबारना ही हमारा मुख्य मकसद है, और सरकार की हितकारी राज्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नामित वर्गों को मिले इसके लिए कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। जनता इन योजनाओं का लाभ उठाएं और सरकार की सोच को साकार करने में सहयोग दें। उन्होंने कहा कि योजनाओं को गति देने में शिथिलता और अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इसके लिए अधिकारियों को निष्ठा के साथ काम करने का निर्देश दिया गया।

मौके पर अपर समाहर्त्ता रविकांत सिंह, उप विकास आयुक्त सुभाषचंद्र मंडल, स्थापना उपसमाहर्ता नागमणि वर्मा, सहायक निदेशक समाज कल्याण विभाग काजल मोदी समेत कई विभागीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

23 अगस्त को जाटों गेट स्थित जाट चौपाल में लगेगा निगम का शिविर, लाल डोरा क्षेत्रवासी कर सकेंगे सम्पत्ति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। नगर निगम करनाल द्वारा लाल डोरा क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए 23 अगस्त दिन शनिवार को वार्ड नम्बर 15 के जाटों गेट क्षेत्र की जाट चौपाल में शिविर लगाया जाएगा। शिविर का समय प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगा। इस दौरान जिन लोगों ने अभी तक सम्पत्ति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन नहीं किया है, वे मौके पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन कर सकेंगे। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि नगर निगम सीमा के अंतर्गत आने वाले लाल डोरा क्षेत्र में रहने वाले सम्पत्ति धारकों को हरियाणा सरकार की पॉलिसी के तहत सम्पत्ति प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं। इस प्रक्रिया से नागरिकों की सम्पत्ति का रिकॉर्ड राजस्व अभिलेखों में दर्ज हो सकेगा और वे अपनी सम्पत्ति की रजिस्ट्री करवा सकेंगे।

यह दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य: निगमायुक्त ने बताया कि आवेदन के लिए दावेदार को राजस्व प्राधिकारी द्वारा सत्यापित शपथ पत्र (आबादी देह या लाल डोरा पर स्वामित्व/कब्जे का उल्लेख सहित), पिछले 10 वर्षों के बिजली व जल बिल, सरकार द्वारा जारी पहचान संबंधी दस्तावेज (जैसे ईपीआईसी, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र आदि), सम्पत्ति कर रसीदें तथा पिछले 10 वर्षों से कब्जे का प्रमाण देने वाले दस्तावेज साथ लाने होंगे। इन दस्तावेजों में से कम से कम दो प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इसके अतिरिक्त यदि दावेदार के पास बिक्री विलेख/हस्तांतरण विलेख/त्याग विलेख/रिहाई विलेख/जमाबंदी/फरद, न्यायालय का आदेश या अन्य पंजीकृत दस्तावेज उपलब्ध हों तो उन्हें भी आवेदन के साथ संलग्न किया जा सकता है। मूल मालिक की मृत्यु की स्थिति में कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने लाल डोरा क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय पर शिविर में पहुंचकर अपने दस्तावेज जमा कराएं, ताकि सत्यापन के बाद शीघ्र ही उन्हें सम्पत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाया जा सके।

उन्होंने कहा कि सम्पत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद ही संबंधित व्यक्ति अपनी सम्पत्ति की रजिस्ट्री करवा सकेगा।

गंगानगर सांसद कुलदीप इंदौरा का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह जमुई/गिद्धौर। गिद्धौर के महुलीगढ़ में श्री गंगानगर राजस्थान से सांसद कुलदीप इंदौरा का कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस मौके वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कृपा कुमार सिंह द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। इस मौके पर उन्हें बुके एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। बताते चलें कि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सह सांसद कुलदीप इंदौरा जमुई जिला वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कृपा कुमार सिंह से हुए भेंट वार्ता में देश प्रदेश से जुड़े कई राजनीतिक मुद्दों पर श्री इंदौरा ने चर्चा की इस औपचारिक मुलाकात के मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कृपा कुमार सिंह, जमुई जिला के चुनाव प्रभारी अमन सिद्दीकी, जिला मीडिया सेल के अध्यक्ष जावेद अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामानुज सिंह, पुष्पराज सिंह, ऋतुराज सिंह के अलावे कई कांग्रेसी कार्यकर्ता गण मौके पर मौजूद थे।

करनाल की नन्ही मानवी ने किया कमाल, सबसे कम उम्र में हासिल की दो ब्लैक बेल्ट, वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस में दर्ज हुआ नाम

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। करनाल शहर के गांव बागपति की बेटी मानवी ने ताइक्वांडो में अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन कर इतिहास रच दिया है। महज 5 साल की उम्र में मानवी ने ताइक्वांडो की दो ब्लैक बेल्ट हासिल कर वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस में अपना नाम दर्ज कराया है।

मानवी ने पहली ब्लैक बेल्ट 28 फरवरी 2023 को सिर्फ 3 साल की उम्र में कोरिया कुक्कीवोन से प्राप्त की थी। इसके बाद 28 अप्रैल 2025 को 5 साल की उम्र में उसने दूसरी ब्लैक बेल्ट हासिल कर देश-विदेश में करनाल का नाम रोशन किया। इस अद्वितीय उपलब्धि के लिए वर्ल्ड रिकॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस की ओर से उसे 24 अगस्त 2025 को मुंबई में एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। उपलब्धि की खुशी में अकादमी में मानवी का फूल मालाओं के साथ भव्य सम्मान किया गया।

एसके मार्शल आर्ट फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं इंटरनेशनल मास्टर सतीश कुमार राणा ने बताया कि मानवी ने मात्र 2 साल की उम्र से ही ताइक्वांडो का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था। खेल के प्रति उसकी गहरी लगन और अनुशासन ने उसे इतनी कम उम्र में यह मुकाम दिलाया है।

मानवी की उपलब्धियां

करनाल जिला स्तरीय ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 में गोल्ड मेडल

करनाल कप ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2023 में गोल्ड मेडल

ओपन इंटरनेशनल स्पीड किक ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2024 में सिल्वर मेडल

हरियाणा स्टेट अस्मिता ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में सिल्वर मेडल

वर्ष 2024 में नेशनल डायमंड अवार्ड से सम्मानित

मानवी की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। करनाल की यह नन्ही बेटी आज लाखों बच्चों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गई है और उसका सफर आने वाले समय में भारतीय खेल जगत को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संदेश देता है।

गिद्धौर में दुर्गा पूजा का कार्यक्रम शेड्यूल जारी

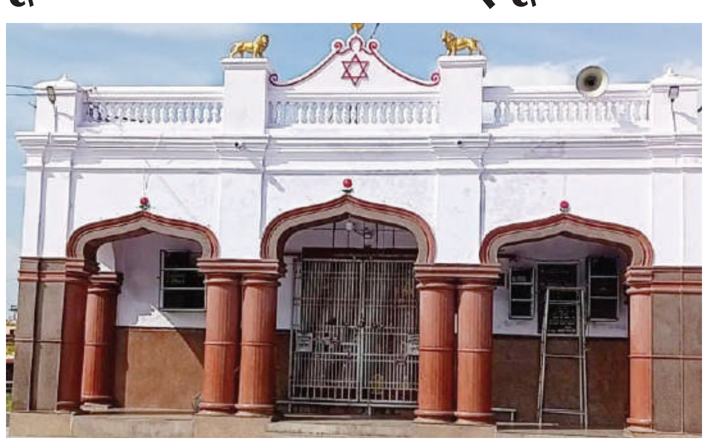

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह जमुई/गिद्धौर। जमुई जिला अंतर्गत गिद्धौर प्रखंड के ऐतिहासिक दुर्गा मंदिर में अगामी 22 सितंबर से दुर्गा पूजा की शुरूआत हो जायेगी। उपरोक्त जानकारी गिद्धौर राज रियासत के ज्योतिषाचार्य डॉ. विभूति नाथ झा ने वर्ष 2025 के शारदीय दुर्गा पूजा एवं लक्ष्मी पूजा कार्यक्रम की घोषणा की है। इस वर्ष कलश स्थापना 22 सितंबर (सोमवार), महाष्टमी 30 सितंबर, महानवमी/ बलिदान 01 अक्टूबर एवं विजयादशमी 2 अक्टूबर को है। वहीं शरद पूर्णिमा पर 6 अक्टूबर सोमवार को मां लक्ष्मी की प्राण प्रतिष्ठा पूजा एवं विसर्जन 7 अक्टूबर मंगलवार को किया जाएगा।

बतातें चले कि उलाय नदी के तट पर स्थित मां दुर्गा के मंदिर में पूजा तांत्रिक विधि से की जाती है। शारदीय नवरात्र में दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा का यहां विशेष महत्व है। गिद्धौर राज रियासत के गौरवशाली इतिहास में दुर्गा पूजा का विशेष स्थान है। हर साल दुर्गा पूजा के दौरान गिद्धौर में मेला लगता है। इसमें सर्कस, जादू का खेल, चूड़ियों की दुकान, मिठाई की दुकान, तारामाची, मौत का कुआं, काठघोड़ा और नाव जैसे कई मनोरंजन के साधन आते हैं। बतातें चले कि वर्ष 1996 में गिद्धौर महाराज द्वारा यह पूजा जनाश्रित घोषित किया गया। तब से ग्रामीणों द्वारा शारदीय दुर्गा पूजा सह लक्ष्मी पूजा समिति के माध्यम से कार्यक्रम का संचालन कराया रहा है।

सदर बाजार क्षेत्र की अवैध डेयरियों पर निगम की बड़ी कार्रवाई

एक डेयरी सील, चार पशु जब्त, 40 हजार रुपये जुर्माना

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी करनाल। नगर निगम करनाल ने शुक्रवार को सदर बाजार क्षेत्र में चल रही 5 अवैध डेयरियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने बताया कि पिंगली डेयरी शिफ्टिंग कॉम्पलैक्स में प्लॉट अलॉटमेंट के बावजूद डेयरी मालिक न तो वहां निर्माण कर रहे थे और न ही अपनी डेयरियों को शहर से बाहर स्थानांतरित कर रहे थे, जिस कारण यह कदम उठाया गया।

कार्रवाई के तहत चरणजीत की डेयरी को सील किया गया, वहीं नवीन कुमार व राजेन्द्र की डेयरियों से 4 पशु जब्त कर 40 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा विजय डेयरी को 24 घंटे और केला देवी डेयरी को 3 दिन का समय स्थानांतरण के लिए दिया गया है। तय समय में शिफ्ट न करने पर निगम इन डेयरियों को सील कर देगा।

आयुक्त ने बताया कि सदर बाजार में पहले 9 डेयरियां थीं। नोटिस मिलने के बाद 4 डेयरियों को पिंगली कॉम्पलैक्स में स्थानांतरित कर लिया गया, लेकिन 5 डेयरियों के संचालक लगातार टालमटोल कर रहे थे। निगम ने कई बार निर्देश दिए, लेकिन गंभीरता न बरतने पर अब कार्रवाई की गई। डेयरी सील करने की कार्रवाई हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 की धारा 333 और पशु जब्ती की कार्रवाई धारा 332 के तहत की गई। पशुओं को मौके पर ही टैग लगाकर फूसगढ़ स्थित गौशाला भेजा गया। निगमायुक्त ने कहा कि शहर में डेयरियों से नाले चोक होने, गंदगी और दुर्गंध जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जिससे स्थानीय निवासी परेशान रहते हैं। इसलिए शहर में किसी भी सूरत में डेयरी नहीं चलने दी जाएगी। उन्होंने डेयरी मालिकों को चेतावनी दी कि यदि उन्होंने पिंगली कॉम्पलैक्स में निर्माण कर शिफ्टिंग नहीं की, तो उनकी डेयरियां सील की जाएंगी और पशु जब्त होंगे।

कार्रवाई उप निगम आयुक्त अभय सिंह, ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं कार्यकारी अभियंता ओ.पी. करदम की अगुवाई में हुई। टीम में मुख्य सफाई निरीक्षक सुरेन्द्र चोपड़ा, निरीक्षक मनदीप सिंह, सहायक मनोज मान व प्रदीप शर्मा, पशुपालन विभाग से वेटरनरी सर्जन व अन्य स्टाफ सहित भारी पुलिस बल शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष में सघन एड्स जागरूकता अभियान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इंतजार हुसैन बदायूं। नेहरू मेमोरियल शिव नारायण दास डिग्री कॉलेज बदायूं में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में सघन एड्स जागरूकता अभियान के सफल संचालन हेतु एक गोष्ठी का आयोजन प्रोफेसर डॉ आशीष कुमार सक्सेना प्राचार्य की अध्यक्षता में किया गया। इसके बाद जिला कार्यक्रम अधिकारी (एड्स) डॉ विनेश कुमार द्वारा जनपद में एच आई वी/एड्स होने के 4 कारण असुरक्षित यौन सम्बन्ध, एचआईवी ग्रस्त महिला से होने वाले उसके बच्चे, एच आई वी ग्रस्त व्यक्ति का ब्लड दूसरे को चढ़ाने, एच आई वी से संक्रमित व्यक्ति की सिरिंज से दूसरे को इंजेक्शन लगाने से फैलता है। शनि दुवे प्रोग्राम मैनेजर लोक कल्याण समिति बदायूं द्वारा बताया गया कि जहाँ एच आई वी के केस निकले हैं। उन ग्राम पंचायतों के साथ साथ एफ एस डब्लू, एम एस डब्लू, ड्रग यूजर्स में एड्स को फैलने, जाँच, बचाव, एवं इलाज के बारे में जागरूक किया। सुदेश सक्सेना डी पी टी सी /एस टी एस द्वारा बताया गया की एच आई वी /एड्स से ग्रसित मरीजों में टी बी की बीमारी होने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है इसलिए सभी एच आई वी बाले मरीजों की टी बी की जाँच होना आवश्यक है। रेशमबती काउंसलर के द्वारा गर्वभती महिलाओं में एच आई वी की जाँच एवं उसके होने बाले बच्चे को एच आई वी से बचाव के बारे में बताया। राजेश काउंसलर द्वारा भी कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम का संचालन सुदेश सक्सेना द्वारा गया। कार्यक्रम मे प्रोफेसर मनवीर सिंह, प्रोफेसर डॉ रवि भूषण पाठक, प्रोफेसर डॉ सत्यम मिश्रा उपस्थित रहे।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।
संपर्क करें: 9871221635

मुख्यमंत्री ने कॉमेडियन जसविंदर भल्ला के निधन पर शोक व्यक्त किया

परिवार के साथ शोक साझा करने के लिए जसविंदर भल्ला के घर पहुंचे मुख्यमंत्री

एसबी संवाददाता
एस.ए.एस. नगर (मोहाली)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने प्रसिद्ध पंजाबी अभिनेता/हास्य कलाकार जसविंदर भल्ला की दुखद और असामयिक मृत्यु पर शोक व्यक्त किया। उनकी लंबी बीमारी के बाद आज सुबह यहां एक निजी अस्पताल में मृत्यु हो गई।

जसविंदर भल्ला के घर पहुंचे मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों के साथ शोक साझा किया। उन्होंने प्रसिद्ध कॉमेडियन के निधन को कला, साहित्य, संस्कृति और सिनेमा की दुनिया के लिए बड़ा नुकसान बताया। भावुक होते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह उनके लिए बड़ा व्यक्तिगत नुकसान है और जसविंदर भल्ला के निधन से उत्पन्न हुए खालीपन को निकट भविष्य में भरना आसान नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जसविंदर भल्ला ने खराब स्वास्थ्य के बावजूद पंजाबी संस्कृति को समृद्ध करने में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि जसविंदर भल्ला ने कॉमेडी में नए विचारों के साथ प्रयोग किया और अपनी शानदार उपस्थिति के साथ पंजाबी सिनेमा के मौजूदा स्वरूपों को समृद्ध किया। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जसविंदर भल्ला ने अपने अंतिम सांस तक दुनिया भर में पंजाबी कॉमेडी, सिनेमा और संस्कृति का परचम बुलंद किया।

जसविंदर भल्ला को बहुमुखी व्यक्तित्व और धरती मां का सच्चा सपूत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने दुर्लभ व्यंग्य और हाजिरजवाबी के माध्यम से जमीनी स्तर पर आम लोगों को प्रभावित करने में बड़ा योगदान दिया। उन्होंने कहा कि जसविंदर भल्ला देश भर के उभरते कलाकारों, खासकर हास्य कलाकारों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं, जिन्होंने टेलीविजन और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री पर अमिट छाप छोड़ी है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अपनी अथक कोशिशों के माध्यम से जसविंदर भल्ला ने अपनी स्वस्थ कॉमेडी के जरिए तनावग्रस्त मन की उदासी को दूर किया, जिससे उनका नाम घर-घर में लोकप्रिय हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जसविंदर भल्ला की मृत्यु के साथ पंजाबी कॉमेडी के एक युग का अंत हो गया है, लेकिन वे प्रशंसकों की यादों में हमेशा जीवित रहेंगे। उन्होंने कहा कि जसविंदर भल्ला ने पंजाबी कला और संस्कृति के प्रचार के लिए शानदार योगदान दिया। परिवार के साथ दिल से हमदर्दी साझा करते हुए भगवंत सिंह मान ने परमात्मा से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और परिवार के सदस्यों, दोस्तों, रिश्तेदारों और लाखों प्रशंसकों को इस अपूरणीय नुकसान को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

पंजाब सरकार बाढ़ पीड़ितों को हुए नुकसान की पाई-पाई का मुआवजा देगी : मुख्यमंत्री

भगवंत मान ने बाढ़ प्रभावित कपूरथला जिले का तूफानी दौरा किया

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने राज्य में बाढ़ के कारण लोगों को हुए हर तरह के नुकसान के लिए उचित मुआवजा देने की घोषणा की। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बचने के तरीकों पर भी विचार किया जाएगा। कपूरथला जिले के बाढ़ प्रभावित इलाकों के तूफानी दौरे के दौरान, लोगों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ी राज्यों में लगातार हो रही बारिश के कारण राज्य में यह स्थिति उत्पन्न हुई है। भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार इस गंभीर संकट की घड़ी में लोगों को राहत प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस नेक काम के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार लोगों के जान-माल की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि लोगों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को राहत पहुँचाने की राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि वह प्राकृतिक आपदा के कारण राज्य में बनी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार लोगों को राहत पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है, और उन्होंने अधिकारियों को ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने या टालने के तरीकों का पता लगाने के लिए भी कहा है। भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार मुसीबत की इस घड़ी में लोगों के साथ खड़ी है और उन्हें हर तरह की सहायता प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहले से ही बड़े पैमाने पर राहत और बचाव कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित इलाकों में राहत सुनिश्चित करने के लिए पूरा जोर लगाया जा रहा है ताकि लोगों को किसी भी तरह की मुश्किल का सामना न करना पड़े। भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार इस कठिन समय में लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही राज्य में बाढ़ के कारण लोगों को हुए नुकसान का पता लगाने के लिए विशेष गिरदावरी के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि विशेष गिरदावरी निष्पक्ष तरीके से की जाए ताकि लोगों को उनके नुकसान का उचित मुआवजा दिया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को नुकसान का उचित मुआवजा देने के लिए विशेष गिरदावरी में फसल, पशु, घर आदि के अलावा ऐसे हर नुकसान को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन निचले इलाकों में बाढ़ के कारण हुए नुकसान का पता लगाकर लोगों को उचित मुआवजा दिया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने लोगों को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार बाढ़ के दौरान लोगों को हुए एक-एक पैसे के नुकसान का मुआवजा देगी।

इससे पहले, जिला प्रशासन और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बाढ़ के कारण पैदा हुई स्थिति से अवगत कराया। इस दौरान, भगवंत सिंह मान ने मक्खू से हरीके पत्तन तक बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण भी किया।

मनीषा बेटी के नाम पर राजनीति बंद करे विपक्षः नायब सिंह सैनी

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष को कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि मनीषा बेटी के मामले पर राजनीति करना बंद करें। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल अनावश्यक हंगामा कर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है, जबकि इस विषय पर प्रश्नकाल में सवाल पहले से ही सूचिबद्ध है और उस पर चर्चा भी होनी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कि भिवानी की बेटी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं।

मुख्यमंत्री हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान विपक्ष द्वारा सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालने पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे।

मुख्यमंत्री ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस और वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यकाल में जमीन आसमान का अंतर है। कांग्रेस राज में कानून-व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर थी। उस समय तो एफआईआर तक दर्ज नहीं होती थी, जिससे पीड़ित दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर होते थे। इनके विपरीत आज तुरंत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि आज विपक्ष दिखावा कर रहा है, जबकि जनता को कांग्रेस के कृत्य अच्छी तरह याद हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार सदन में कुछ युवा विधायक चुनकर आए हैं, जिन्हें शायद यह अंदाजा भी नहीं होगा कि कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति कितनी शर्मनाक और दयनीय थी।

23 अगस्त को करनाल में धूमधाम से मनाया जाएगा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह का आयोजन 23 अगस्त 2025 को प्रातः 11 बजे डॉ. मंगल सेन ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस अवसर पर केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

समारोह के दौरान राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में विजेता रहे छात्रों को सम्मानित और पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है, साथ ही इसरो के वैज्ञानिकों की मेहनत, लगन और समर्पण को सलाम करना है। समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए उपायुक्त उत्तम सिंह ने अधिकारियों की टीम के साथ डॉ. मंगल सेन ऑडिटोरियम का दौरा किया। उन्होंने स्थल पर सुरक्षा, व्यवस्था और सभी आवश्यक प्रबंधों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि यह अवसर युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा और उन्हें विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान की ओर अग्रसर करेगा। इस मौके पर एडीएम अनुभव मेहता, जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश ठकराल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम में शिक्षकों व विद्यार्थियों का सम्मान

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन कर्नल अरुण दत्ता द्वारा परिषद के गणमान्य सदस्यों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करने से हुआ। इस अवसर पर परिषद अध्यक्ष श्री आर. एस. चिक्कारा, उपाध्यक्ष गौरी दत्ता, सचिव श्री गीता प्रकाश, डॉ. सुचेता गुप्ता, प्रो. पायल चौधरी, डॉ. वी. के. चौधरी, सुप्रिति बिंद्रा और कर्नल पी. एस. बिंद्रा सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं।

स्वागत उपरांत सभी अतिथि जब ऑडिटोरियम पहुंचे तो विद्यार्थियों ने जोरदार तालियों से उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ सामूहिक वंदे मातरम् के गायन से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को देशभक्ति और प्रेरणा से सराबोर कर दिया। परियोजना निदेशक गौरी दत्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन जैसे आयोजन विद्यार्थियों में शिक्षकों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता की भावना विकसित करते हैं। इस अवसर पर कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 10 विद्यार्थियों और शैक्षणिक सत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 शिक्षकों को पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रो. पायल चौधरी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, आपसी संबंधों को सुदृढ़ करने तथा क्रोध और भावनाओं पर नियंत्रण रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, डॉ. सुचेता गुप्ता ने शिक्षा और राष्ट्र निर्माण की यात्रा में शिक्षक और छात्र दोनों की समान भूमिका को रेखांकित करते हुए प्रेरणादायी विचार साझा किए। अंत में कर्नल अरुण दत्ता ने अपने उद्बोधन में सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने, शिक्षकों के प्रति सम्मान और विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन का सशक्त माध्यम हैं।

कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग के श्री संदीप चौधरी ने किया। इस अवसर पर निदेशक श्री प्रकाश जोशी एवं प्राचार्या गरिमा शर्मा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में गौरव और प्रेरणा की अनुभूति हुई।

जनसंवाद कार्यक्रम में प्राप्त हुई शिकायतों का 31 अगस्त तक समाधान सुनिश्चित करें अधिकारीः डीसी प्रीति

■ 'जन शिकायतों के समाधान में देरी नहीं की जाएगी बर्दाश्त'

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि सीएम विंडों, जन संवाद तथा समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। सभी संबंधित विभागों के अधिकारी इन शिकायतों पर संवेदनशीलता के साथ काम करें। बीती 12 जुलाई को जिला में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में प्राप्त हुई सभी शिकायतों का 31 अगस्त तक समाधान किया जाए। जन शिकायतों के समाधान में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं डीसी प्रीति ने जन शिकायतों के निवारण में देरी पर बिजली विभाग के गुहला कार्यकारी अभियंता व डीआरओ, तथा बैठक में उपस्थित न होने पर एचएसवीपी के ईओ, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता, डीएसफसी, मार्केटिंग बोर्ड के कार्यकारी अभियंता को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

डीसी प्रीति शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में सीएम विंडों, जन संवाद तथा समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों की समीक्षा कर रहीं थीं। बैठक के दौरान उन्होंने ने एक-एक कर सभी विभागों से लंबित शिकायतों का ब्योरा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पूछा कि शिकायतों के समाधान में देरी क्यों हो रही है और सख्त लहजे में कहा कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीसी प्रीति ने कहा कि सभी अधिकारी जन शिकायतों के पोर्टलों को स्वयं मॉनिटर करें और शिकायतों को ध्यान से पढ़ते हुए उनकी उच्च गुणवत्ता की एटीआर अपलोड करें। पंचायत विभाग और राजस्व विभाग को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है। उन्होंने सीटीएम को निर्देश दिए कि खंड अनुसार दिन तय करके इन्हें एक-एक करके अपने कार्यालय में बुलाएं और शिकायतों पर जवाबदेही तय करते हुए उनका समाधान करवाएं।

शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखें, ताकि किसी भी शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। इसके साथ ही समाचार पत्रों में प्रकाशित होने वाली समस्याओं पर संज्ञान लेकर उनका निवारण भी सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर जिला परिषद सीईओ सुरेश राविश, एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार, एसडीएम अजय सिंह, सीटीएम गुरविंद्र सिंह, डीएसपी बीरभान सिंह, डीआरओ चंद्रमोहन, डीडीपीओ रितु लाठर, डीआईओ दीपक खुराना, एलडीएम एसके नंदा, डीडीए डा. बाबूलाल, डीएचओ डा. हीरालाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

आयुष्मान भारत योजना गरीब मरीजों के लिए साबित हुई संजीवनी

■ परिवारों ने मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज के लिए सरकार का किया धन्यवाद

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार आयुष्मान भारत-हरियाणा स्वास्थ्य संरक्षण प्राधिकरण के माध्यम से राज्य में 45 लाख से अधिक पात्र परिवारों को 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इनडोर उपचार प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) और चिरायु को क्रियान्वित कर रही है।

प्राधिकरण के प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए), हरियाणा से सेवाएं वापस लेने के आह्वान के संबंध में प्राप्त संचार के जवाब में, यह सूचित किया जाता है कि सूचीबद्ध स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को सभी लंबित भुगतान एनएचए, भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार सख्ती से संसाधित और वितरित किए जा रहे हैं। यह आश्वासन दिया जाता है कि सभी बकाया राशि का बिना किसी देरी के भुगतान किया जाएगा, जिसमें छोटे अस्पतालों/स्वास्थ्य सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य के सूचीबद्ध

अस्पतालों के बकाया भुगतान के लिए पर्याप्त धनराशि स्वीकृत और प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अब तक, जून 2025 के दूसरे सप्ताह तक जमा किए गए दावों का भुगतान किया जा चुका है। योजना की शुरूआत से अब तक अस्पतालों को 3,100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 18 अगस्त, 2025 तक केंद्र और राज्य सरकारों से लगभग 480 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं और पात्र दावा निपटान के लिए इसका पूर्ण उपयोग किया गया है। 5 अगस्त, 2025 से राज्य के सूचीबद्ध अस्पतालों को 225 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। चिरायु योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पतालों के लंबित भुगतान के लिए राज्य सरकार द्वारा 291 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि जारी करने की मंजूरी दी गई है।

हाल ही में विभिन्न जिलों से आयुष्मान/चिरायु कार्ड के माध्यम से निजी अस्पतालों में कैशलेस उपचार प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की कई सफलता की कहानियां सामने आई हैं।

मेवात के गांव मोहम्मदपुर अहीर निवासी 18 वर्षीय परीक्षा ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को आयुष्मान भारत योजना शुरू करने के लिए धन्यवाद किया। मैं लंबे समय से कान में दर्द और कान से पानी बहने की समस्या से पीड़ित था। मैंने कई उपचार करवाए।

बिना हेलमेट के तीन चालान होते ही संबंधित का ड्राइविंग लाइसेंस करें निरस्तः डीसी प्रीति

■ 'एजेंडे के तहत दिए गए आदेशों की दृढ़ता से पालन करें सभी अधिकारी'

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि दुपहिया वाहन दुर्घटना में सिर पर हेलमेट न होना व्यक्ति की मृत्यु का कारण बनता है। पुलिस विभाग चालानिंग को ओर बढ़ाए। बिना हेलमेट के तीन चालान होते ही संबंधित का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किया जाए। इसके साथ ही कोई भी नाबालिग बच्चा वाहन चलाता हुआ मिले तो उनके परिजनों को मौके पर बुलाएं और उस वाहन को इम्पाउंड करें।

डीसी प्रीति शुक्रवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में सड़क सुरक्षा समिति व स्कूल वाहन पॉलिसी की बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहीं थीं। बैठक में उन्होंने एजेंडे अनुसार चर्चा की और कहा कि सभी अधिकारी एजेंडे के तहत दिए गए आदेशों की दृढ़ता से पालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने नगर परिषद के अधिकारियों को कहा कि शहर में सड़कों पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए निरंतर अभियान जारी रखें। इसके साथ ही बेसहारा पशुओं को गौशालाओं में शिफ्ट करने की कार्रवाई में तेजी लाएं। लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के अंदर व सामने वाहनों की पार्किंग करने वालों की चालानिंग की जाए।

सड़क निर्माण से जुड़े सभी विभाग अपनी अपनी सड़कों की बर्मो की सफाई करवाने के साथ साथ उनका सुदृढ़ीकरण करें। इसके साथ ही सड़कों पर निर्धारित मापदंड अनुसार सफेद पट्टी व जेब्रा क्रॉसिंग बनाई जाए। पैच वर्क का कार्य में गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए। डीसी प्रीति ने कहा कि कैथल-करनाल रोड पर रसीना गांव के पास गड्ढे बने हुए हैं, उनको जल्द सही करवाना सुनिश्चित करें।

पिहोवा चौक के नजदीक सर छोटू राम चौक पर पुलिस विभाग व आरटीए विभाग तालमेल से सड़क सुरक्षा के मापदंड अनुसार व्यवस्था बनाए, ताकि आवागमन में लोगों को किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े और दुर्घटना होने की संभावनाओं को कम किया जा सके। उन्होंने राजौंद में सीवरेज डालने व सड़क निर्माण को लेकर जनस्वास्थ्य विभाग तथा लोक निर्माण विभाग को जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। टोल पर रात के समय लाइट बंद होने के विषय पर डीसी ने कहा कि आरटीए विभाग टोल पर सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण करेंगे तथा यदि रात के समय लाइट बंद होना पाया जाता है तो टोल के संबंधित अधिकारियों को नोटिस भेजा जाए। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि लघु सचिवालय में बिना हेलमेट दुपहिया वाहन चालको के शत-प्रतिशत चालानिंग करें, इसमें कोई भी लापरवाही न बरती जाए।

इस अवसर पर आरटीए गिरीश कुमार, जिला परिषद सीईओ सुरेश राविश, एसडीएम अजय सिंह, सीटीएम गुरविंद्र सिंह, डीएसपी सुशील प्रकाश, डीआरओ चंद्रमोहन, डीडीपीओ रितु लाठर, रेडक्रास सचिव रामजी लाल, डीआईओ दीपक खुराना, एलडीएम एसके नंदा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नशा मुक्त मुहिम दौरान जिला पुलिस का नशा तस्करों पर शिकंजा

■ दो अलग-अलग मामलों में 2 नशा तस्कर काबू, 58800 प्रतिबंधित नशीली गोलियां, 304 एमटीपी किट व 1310 परेगाबलिन नामक कैप्सूल बरामद

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। कैथल पुलिस द्वारा एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार जिला कैथल को नशा मुक्त बनाने के लिए विशेष मुहिम चलाई जा रही है। जिसके दौरान सीआईए-1 व एंटी नारकोटिक सैल द्वारा अलग अलग मामलों में 2 नशा तस्करों को काबू किया गया है। जिनके कब्जे से 58800 प्रतिबंधित नशीली गोलियां, 304 एमटीपी किट व 1310 परेगाबलिन नामक कैप्सुल बरामद हुए है।

डीएसपी मुख्यालय बीर भान ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले मामले में एंटी नारकोटिक सैल प्रभारी एसआई राजबीर सिंह, एसआई जोगिंद्र सिंह, एएसआई बलजीत सिंह, एएसआई राकेश कुमार, महिला एचसी पकविंद्र कौर की टीम सायंकालिन गश्त दौरान मैन चौक खुराना रोड़ कैथल पर मौजूद थी। जहां पुलिस टीम को एक गुप्त सूचना मिली की नानकपुरी कालोनी खुराना रोड़ कैथल निवासी विक्रम अपने मकान पर नशीली प्रतिबंधित गोलियां बेचने का काम करता हैं। जिसके घर पर रेड करके उसे भारी मात्रा में नशीली गोलियों सहित काबू किया जा सकता है।

सूचना विश्वसनीय होने कारण पुलिस सतर्कता का परिचय देते हुए विक्रम उपरोक्त के मकान पर दबिश दी गई। जहां संदिग्ध विक्रम द्वारा भागने का प्रयास किया गया परंतु सतर्क पुलिस द्वारा विक्रम को काबू कर लिया गया। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे डीएसपी बीरभान व ड्रग कंट्रोल ओफिसर चेतन वर्मा के समक्ष ली गई तलाशी दौरान आरोपी के मकान में बेड से 2 पॉलीथिन बरामद हुए। जिनमें 18600 ट्रामाडोल नामक गोलियां तथा 5000 अल्प्राजोल नामक गोलियों सहित कुल 23600 गोलियां बरामद हुई। ड्रग कंट्रोल ऑफिसर द्वारा ये टैब्लेट प्रतिबंधित बताई गई। आरोपी के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एसआई बलराज द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

डीएसपी ने बताया कि दुसरे मामले में सीआईए-1 प्रभारी एसआई जसवंत सिंह की अगुवाई में एएसआई शमशेर सिंह, एसआई जयभगवान, एएसआई सतीश कुमार, एचसी बलिंद्र, एचसी जयवीर व सिपाही बलजीत सिंह की टीम शाम के समय गश्त दौरान खुराना बाईपास कैथल के पास मौजूद थी। जहां पर सहयोगी सुत्रो से पुलिस को गुप्त जानकारी मिली कि खुराना रोड़ कैथल निवासी साहिल ने न्यु बोबी मेडिकल के नाम से खुराना रोड कैथल पर दवाइयों की दुकान की हुई है। जो मेडिकल स्टोर की आड में प्रतिबंधित नशीली गोलियां बेचने का धंधा करता है, जो अभी अपने मकान से नशीली गोलियां लेने गया हुआ है, जिसके मकान पर दबिश देकर उसे नशीली गोलियों सहित काबू किया जा सकता है। सूचना विश्वसनीय होने के कारण पुलिस द्वारा मुस्तैदी का परिचय देते हुए गली नंबर 3 खुराना रोड़ कैथल स्थित साहिल के मकान पर दबिश दी गई। जहां एक बैग लिए हुए युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। जिसे पुलिस द्वारा बैग सहित काबू कर लिया गया। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे डीएसपी बीरभान व ड्रग कंट्रोल ओफिसर चेतन वर्मा के समक्ष की गई जांच दौरान आरोपी के कब्जे में बैग से 35200 अलप्राजोल नामक गोलियां बरामद हुई। ड्रग कंट्रोल ऑफिसर द्वारा ये टैब्लेट प्रतिबंधित बताई गई।

आरोपी के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एएसआई बिजेंद्र सिंह द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अतिरिक्त आरोपी साहिल के कब्जे से 304 एमटीपी किट व 1310 परेगाबलिन नामक कैप्सूल बरामद हुए। जो जिला अस्पताल से मौके पर पहुंचे नोडल ऑफिसर पीएनडीटी डॉक्टर सचिन मांडले की शिकायत पर थाना शहर में अभियोग अंकित किया गया। आरोपियों का व्यापक पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड हासिल किया जाएगा।

जिले में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक : डीसी प्रीति

■ डीसी ने ली जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति की बैठक, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

एसबी संवाददाता

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि जिले में नशे की समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। अधिकारियों के साथ-साथ सभी शिक्षण संस्थान व आमजन इस दिशा में मिलकर कार्य करें। नशा बेचने वालों और नशे का सेवन करने वालों के बारे में जानकारी साझा करें। विशेष रूप से कालेज में पढ़ने वाले 18 से 28 वर्ष के युवाओं का ध्यान रखें। नशे के खिलाफ यह लड़ाई एक प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की ढिलाई न बरते।

डीसी प्रीति शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति की बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने और नशा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग तथा जिला ड्रग कंट्रोलर को निर्देश दिए कि वे मेडिकल स्टोरों पर निगरानी रखें और बिना डॉक्टर की पर्ची के नशीली दवाइयां बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए।

डीसी प्रीति ने कहा कि ड्रग्स एवं नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के शरीर व समाज के लिए घातक होता है। इससे निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों के बीच आपसी तालमेल को ओर मजबूत किया जाए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी व जिला उच्च शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि स्कूल, कॉलेजों में नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाए जाएं। सिंचाई विभाग को निर्देश दिए कि नहरों के पास खड़ी भांग की लगातार कटाई करवाते रहें। इसके अलावा सभी विभागाध्यक्ष अपने अपने परिसर को पूरी तरह से चैक कर लें, कहीं भांग के पौधे न उगे हुए हों। उन्होंने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी को निर्देश दिए कि गांव में जागरूकता कैंप लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर एसपी आस्था मोदी ने नशे की रोकथाम और नशा करने वालों को मुख्यधारा में लाने के लिए कई सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि नशे की रोकथाम के लिए आयोजित किए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों के भाषण का कंटेंट अच्छा होना चाहिए। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश, एसडीएम अजय सिंह, डीएसपी कुलदीप बेनीवाल, डीएसपी सुशील प्रकाश, डीडीपीओ रितु लाठर, जेल अधीक्षक अशोक कुमार, सिविल सर्जन डा रेणु चावला, रेडक्रास सचिव रामजी लाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।